

- (v) Nomination of Malayalee organisations on the Regional Railway Users' Consultative Committees.

These demands have been examined and the position explained to the Hon. General Secretary, Keralaleeya Kendra Sanghatana, Bombay in a letter addressed to him on 30-5-1962.

Passenger amenities on Rupar-Nangal Dam Section

2417. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a pact up to 1968 between the Punjab Government and Central Government for spending half and half amount for providing passenger amenities on Rupar-Nangal Dam Section of Northern Railway;

(b) whether it is also a fact that Bhakra Dam is about to be completed and the Punjab Government do not want to spend any money on this section for providing passenger amenities; and

(c) if so, what steps Government propose to take to provide passenger amenities on this section?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. V. Ramaswamy):

(a) The Rupar-Nangal section of the Northern Railway has been constructed and is being operated on the basis of an agreement providing for sharing of costs but not on the basis of sharing of cost half and half. Cost of providing passenger amenities is shared as per terms of the same agreement.

(b) Yes.

(c) The matter is under examination.

Orissa Demand for Fertilizer

2418. Shri Ulaka: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the annual demand of Orissa Government for supply of fertilisers

during 1959-60, 1960-61 and 1961-62;

(b) the quantity allotted and supplied for the aforesaid period;

(c) the demand for 1962-63; and

(d) whether this demand can be met from the fertiliser plant at Rourkela which is scheduled to go into production during the current year?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House. [See Appendix III, annexure No. 77].

टीकमगढ़ से जतारा तक टेलीफोन लाइन

२४१६. श्री माते : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टीकमगढ़ से जतारा वाली टेलीफोन एवं तार की लाइन लगभग पिछले ६ माह से खराब पड़ी है और लाइन के खम्भे नीचे गिर पड़े हैं,

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त आवश्यक कार्य की मरम्मत करने में देर क्यों की जा रही है ; और

(ग) यह काम कब तक पूरा हो जायेगा ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) टीकमगढ़ और जतारा के बीच एक फोन तार परिपथ अर्थात् तारों को टेलीफोन पर भेजने का एक परिपथ है। यह परिपथ पिछले एक साल से कुछ ठीक काम नहीं कर रहा है और पिछले दो महीने से उसमें गड़बड़ी चल रही है।

(ख) सामान की भारी कमी है।

(ग) जब तक कि परिपथ को पूरी तरह से बनाने के लिए सामान प्राप्त हो उसे अस्थायी रूप से तुरन्त ही फिर से चालू करने के अनुदेश जारी कर दिये गये हैं। सम्बन्धित

कर्मचारियों के विशुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई भी की जा रही है।

निवाड़ी में टेलीफोन सुविधायें

२४२०. श्री माते : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तहसील निवाड़ी जिला टीकमगढ़ की जनता ने वहां पर टेलीफोन की व्यवस्था के लिये सरकार को कोई पत्र लिखा है ; और

(ख) यदि हां, तो उस पर क्या कार्य-वाही की गई है ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (श्री जग-जीवन राम) (क) तथा (ख). निवाड़ी में एक सार्वजनिक टेलीफोन घर १ जनवरी, १९६१ से ही कार्य कर रहा है।

निवाड़ी (मध्य प्रदेश) में यात्री सुविधाएं

२४२१. श्री माते : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश में निवाड़ी रेलवे स्टेशन (मध्य रेलवे) पर ऊंचे प्लेटफार्म नहीं हैं और न प्रथम व द्वितीय श्रेणी का प्रतीक्षालय तथा गुड्स शैड है और

(ख) यदि हां, तो जिले का एक मात्र स्टेशन होने के साथ-साथ व्यापारिक केन्द्र होने के कारण क्या सरकार वहां पर उपरोक्त सुविधाओं की व्यवस्था करेगी ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सै० जे० रामास्वामी) : (क) और (ख). निवाड़ी एक छोटा स्टेशन है और यहां दरमियानी ऊंचाई का एक प्लेटफार्म पहले से मौजूद है।

इस स्टेशन पर ऊंचे दर्जे के यात्री-यातायात को देखते हुए ऊंचे दर्जे का एक अलग प्रतीक्षालय बनाने का कोई औचित्य नहीं है।

माल की लदाई के लिये एक प्लेटफार्म और माल व पार्सल यातायात के लिये एक कमरा बनाने के सवाल पर विचार किया जा रहा है।

New Technique of Road Construction

2422. { Shri Lalit Sen:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri Rameshwar Tantia:

Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the National Building Research Laboratory and the Indian Road Research Institute have developed a new technique of road construction which is considerably cheaper than present techniques and methods;

(b) if so, the steps taken by Government to implement this technique and the details thereof;

(c) whether Government propose to employ the new technique and if so, the effect, if any, of the same on the employment of labour for road construction; and

(d) whether it is a fact that the new technique can be of special advantage in the construction of roads in the hills?

The Minister of Shipping in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

New experimental specifications for road construction are being suggested by the various Road Research Institutes in the country from time to time. It is expected that economies will result from their application. It is, however, not possible to assess at this stage the economies or other advantages of the various experimental specifications. Steps are being taken to try out the new specifications in the field as indicated below.